

धसाबारण

## EXTRAORDINARY

भाग **I---ख•**ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशिक

## PUBLISHED BY AUTHORITY

**\*•** 113]

नद्द विल्ली, मंगलवार, जून 17, 1975/ज्येष्ठ 27, 1897

No. 113]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 17, 1975/JYAISTHA 27, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह झल्प संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

## MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 17th June 1975

Subject.—Deregistration of Exporters.

No. 50-TTC(PN)/75.—Attention is invited to the provisions regarding registration and de-registration of exporters as laid down in paras 106—108 in Chapter V of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1975-76.

- 2. In the aforesaid provisions, in para 107, after the existing sub-para (2), the following new sub-para may be added:—
  - "(3) Where the Chief Controller of Imports & Exports is satisfied that an exporter has failed, for inadequate reasons, to comply with the terms of an exporter contract as regards the quality and specification of the goods to be exported or the period of delivery or in any other respect, he may, without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, direct the registering authority to de-register such exporter for a specified or indefinite period and in respect of a particular export product or products or all the export products covered by the import policy for Registered Exporters; provided that no such action shall be taken unless the exporter has been given an opportunity of being heard in the matter."
- 3. The corresponding provisions in para 15, Part 'E', Section I of the Import Trade Control Policy (Red Book—Vol. II) for April 1975—March 1976 may also be deemed to have been amended accordingly.

B. D. KUMAR,

Chief Controller of Imports and Exports.

## वाणिष्य मंत्र,सय

सार्वजितिक सूचना

ग्रायात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 17 जुन, 1975

विषय .--- निर्यातकों का विपंजीकरण।

सं० 50-आई० दि० सी० (पी० एन०)/75.—प्रायात व्यापार नियंत्रण नियम तथा किपाविधि पुस्तक, 1975-76 के प्रध्याय 5 में पैरा 106-108 में निर्यातकों के पंजीकरण भौर विपंजीकरण के सम्बन्ध में निर्धारित परन्तुकों की भीर ध्यान श्राकृष्ट किया जाता है।

- 2. पूर्वोक्त परन्तुकों में पैरा 107 में विद्यमान उप-रैरा (2) के बाद निम्नलिखित उप-पैरा जोड़ा जाए :---
  - "(3) जिस मामले में मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियंति इस बात से संतुष्ट हो कि निर्वात किए जाने वाले माल के गुण तथा विशिष्टिकरण के सम्बन्ध में या शितरण श्रवीव के सम्बन्ध में या श्रन्य किसी सम्बन्ध में एक निर्मातक, न्यूनकारणों से, निर्मात संविदा की शर्ती का श्रनुपालन करने में असफल रहा है तो ऐसी श्रम्य कार्रवाई जो इा सम्बन्ध में की जा सकती है, को ध्यान में रख बिना बह ऐते निर्मातक को निश्चित या श्रनिश्चित श्रवीध के लिए श्रीर पंजीकृत निर्मातकों के लिए श्रायात नीति में शामिल किसी विशेष निर्यात उत्पादन या उत्पादों या सजी निर्मात उत्पादों के सम्बन्ध में ऐसे निर्यातक को विपंजीकृत करने के लिए मंी-करण करने वाले श्राधिकारी को निदेश दे सकता है परन्तु इस की यह शर्त ोगी कि सुनाई के लिए निर्मातक को सुग्रवसर श्रदान किए बिना ऐसी कार्रवाई नहीं की जाएगी।"
- 3. श्रश्रैल 1975-मार्च, 1976 की श्रायात व्यापार नियंत्रण ीति (रेड युक्त या ० 2) के खंड 1, भाग 'ई' पैरा 15 में संगत ५ रुखुक भी तदनुसार संशोधित किए गए समझे आएं।

बी • डी ० कुमार, मृदय नियंत्रक, श्रायात-निर्यात ।